मि० टन कोकिंग कोयला था । सोवियत सहायता की अपेक्षा करने वाली 6 नई खानों की कुल परिलक्षित क्षमता 6.5 मिलियन टन है । इसके अतिरिक्त दो वर्तमान खानों में परिवर्धन के लिए भी सहायता चाही गई है जिससे कोयले का 2.0 मिलियन टन अतिरिक्त उत्पादन का लक्ष्य है ।

रेलवे पटरी के साथ वाली भूमि

2806. **श्री ओंकार लाल बेरवा :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे प्रशासन ने घोषणा की है कि रेलवे पटरी के साथ जो भूमि बेकार पड़ी है उसका खाद्यान्न समस्या के हल करने के लिये निःशुल्क प्रयोग किया जा सकता है;

(ख) यदि हां, तो कोटा से बीना तक रेलवे पटरी के साथ वाली खेती योग्य भूमि को गरीब किसानों को न देने के क्या कारण हैं;

(ग) क्या उक्त भूमि पर खेती करने के बारे में पश्चिम रेलवे के डिविजनल सुपरिंटेंडेंट को कुछ आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं; और

(घ) यदि हां, तो इस भूमि को न देने के क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी हां। यह घोषणा की गयी है कि स्टेशनों के बीच खेती योग्य सारी फालतू ज़मीन पर साथ के खेतों के मालिकों को 30 जून, 1967 तक निःशुल्क खेती करने की अनुमति दी जायेगी ।

(ख) कोटा-बीना खण्ड पर किसी किसान ने आवेदन पत्र नहीं दिया है ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) सवाल नहीं उठता ।

कोटा के डी० एस० कार्यालय के चपरासी

2807. **श्री ओंकार लाल बेरवा :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोटा के डी० एस० कार्यालय के कई अनुसूचित जाति के कर्मचारियों, अर्थात् चपरासियों को तीन वर्ष की लगातार सेवा करने के बाद भी नौकरी से निकला गया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि अनुसूचित जातियों के अतिरिक्त अन्य जातियों के चपरासियों को, जिनकी सेवायें तीन वर्ष से भी कम थीं नौकरी में रहने दिया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता ।

सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखानों में इस्पात का उत्पादन

2808. **श्री ओंकार लाल बेरवा :** क्या **लोहा और इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकारी क्षेत्र के इस्पात कारखानों में 1965-66 में विभिन्न प्रकार के इस्पात का कुल कितना उत्पादन हुआ ; और

(ख) क्या यह उत्पादन 1964-65 की तुलना में अधिक था ?

लोहा और इस्पात मंत्री (श्री त्रि० ना० सिंह) : (क) और (ख). सरकारी क्षेत्र के

इस्पात कारखानों का 1965-66 और 1964-65 का कुल उत्पादन इस प्रकार है :—

(हजार टन)

	1965—66			1964—65		
	विक्रेय इस्पात	अर्द्ध तैयार इस्पात	तैयार इस्पात कुल	विक्रेय इस्पात	अर्द्ध तैयार इस्पात	तैयार इस्पात कुल
राउरकेला	2·8	717·3	270·1	3·8	625·9	629·7
भिलाई	302·7	725·6	1028·3	257·7	653·7	911·4
दुर्गापुर	171·3	510·5	681·8	226·1	493·4	719·5
मैसूर आयरन एण्ड स्टील लिमिटेड	—	48·9	48·9	—	39·1	39·1
	476·8	2002·3	2479·1	487·6	1812·1	2299·7

ऊपर की सारणी से यह मालूम होगा कि 1965—66 के वर्ष में 1964—65 के वर्ष की तुलना में दुर्गापुर इस्पात कारखाने के अलावा सरकारी क्षेत्र के दूसरे सभी इस्पात कारखानों का विक्रेय इस्पात का कुल उत्पादन अधिक था ।

Cement Factory in Kangra

2809. **Shri Daljit Singh:** Will the Minister of **Industry** be pleased to state:

(a) whether the question of setting up a Cement Factory in Kangra district has been considered by the Cement Corporation; and

(b) if so, the decision taken in the matter?

The Minister of State in the Ministry of Industry (Shri Bibudhendra Misra): (a) and (b). The Government of Punjab are at present engaged in prospecting of the area to stablish the reserves of cement-grade limestone. Pending that, Cement Corporation of India Limited has no proposal to set up a cement factory in Kangra area immediately.

Doubling of Railway Line from Guntur to Vijayawada

2810. **Shri M. N. Swamy:**
Shri Umanath:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is proposed to continue the doubling of Railway lines from Guntur to Vijayawada on the main line and if so, the details thereof; and

(b) whether Government are aware of the inconvenience caused to the local passengers due to the heavy traffic on this section?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Sham Nath): (a) The additional Broad Gauge line between Guntur and Vijayawada is not on the main line and there is no proposal to double the section.

(b) Yes. Overcrowding has been noticed on trains running between Vijayawada and Guntur. Introduction of an additional train to relieve overcrowding, is not operationally feasible at present. Works are, however, in progress to increase the line capacity and the proposal for an additional train will be duly considered on the completion of these works. Augmentation of loads of existing trains will, in the meantime, be considered subject to the availability of more coaching stock.

Raj Kharsawan-Chaibasa Passenger Service

2811. **Shri H. C. Soy:**

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that on Tuesdays there is extremely inadequate accommodation for the market going local passengers in trains running between Raj Kharsawan